कक्षा 7वीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों का अध्ययन

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
2008–2009

मार्गदर्शक
डॉ.एस.के. गोयल
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
उर्वशी पटेल
एम.एड.(आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स, भोपाल

2008:2009

कक्षा 7वीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों का अध्ययन

D—287

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
2008–2009

मार्गदर्शक
डॉ.एस.के. गोयल
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
उर्वशी पटेल
एम.एड.(आर.आई.ई)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल

घोषणा–पत्र

मैं उर्वशी पटेल छात्रा एम.एड्. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करती हूँ कि "कक्षा 7वीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों का अध्ययन" नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध 2008–2009 में डॉ. एस.के. गोयल विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड्. (आर.आई.ई.) 2008–2009 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा हैं।

इस शोध में लिये गये आंकड़े एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

उर्वशी पटेल

स्थान– भोपाल

दिनांक– 27/4/09

शोधकर्ता
उर्वशी पटेल
एम.एड्. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल।

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उर्वशी पटेल ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड्. (आर.आई.ई.) उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध 'कक्षा 7वीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में अधिगम कठिनाईयों का अध्ययन'' हमारे मार्गदर्शन में पूर्ण किया हैं यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिककृत परिश्रम का परिणाम है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया हैं।

हम आशीर्वाद सहित प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध को एम.एड्. (आर.आई.ई.) बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की परीक्षा 2008–2009 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु स्वीकृति प्रदान करते हैं।

स्थान– भोपाल

दिनांक –

निर्देशक

डॉ. एस.के. गोयल

विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)

श्यामला हिल्स, भोपाल

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध के समस्त सोपानों को पूर्ण करने का श्रेय मेरे इस कार्य के निर्देशक परम् आदरणीय गुरूवर डॉ. एस.के. गोयल विभागाध्यक्ष क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को हैं जिन्होंने न केवल मेरा मार्गदर्शन ही किया अपितु मेरा उत्साहवर्धन करते हुए अपना बहुमूल्य समय, पूर्ण सहयोग तथा यथावसर निर्देशन मुझे दिया। प्रस्तुत लघु शोध आपके मार्गदर्शन का प्रतिफल हैं। आपके द्वारा दिये गये आत्मीय सहयोग के इस महाऋण से मैं कभी उऋण नहीं हो पाऊँगी।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्राचार्य डॉ. आनंद बिहारी सक्सेना, अधिष्ठाता डॉ. विजय सुनवानी एवं डॉ. एस.के. गोयल विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल तथा एम.एड्. पूर्व प्रभारी डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण एवं एम.एड्. प्रभारी डॉ.के.के. खरे, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. बी.रमेश बाबू, डॉ. एम.यू. पैईली, डॉ. रत्नमाला आर्य, डॉ. सुनीति खरे, डॉ. बसन्सी खारलुखी, श्रीमती अंजुली सुहाने के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हदय से आभारी हूँ एवं शिक्षा विभाग के सभी गुरूजनों की भी मैं हदय से आभारी हूँ।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों की भी हदय से आभारी हूँ।

मैं अपने आदरणीय माता–पिता, बड़े पापा, छोटी बहन एवं स्नेहिल सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने इस शोध कार्य को पूर्ण करने में अपना आत्मीय सहयोग प्रदान किया।

अन्ततः मैं श्री गुरू चरण कमलो में विनियावत स्वरूप वंदन कर इस आभार कथन के रूप में अनुराग सहित धन्यवाद देती हूँ और उनके आशिष की कामना करती हूँ।

उर्वशी पटेल

स्थान– भोपाल

दिनांक– 27/4/09

शोधकर्ता
उर्वशी पटेल
एम.एड्. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल।

अनुक्रमणिका

- ❖ घोषणा पत्र
- ❖ प्रमाण पत्र
- ❖ अभार ज्ञापन

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
अध्याय–प्रथम	शोध परिचय	1–14
1.1	प्रस्तावना	
1.2	प्राथमिक शिक्षा का निम्नगुणात्मक स्तर –एक समस्या	
1.3	न्यूनतम अधिगम स्तर का अर्थ	
1.4	न्यूनतम अधिगम स्तर निर्धारण करने के लाभ	
1.5	शिक्षा में हिन्दी भाषा का महत्व	
1.6	प्रारंभिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण और अध्ययन के उद्देश्य	
1.7	द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का महत्व	
1.8	हिन्दी व्याकरण शिक्षण का महत्व	
1.9	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	
1.10	समस्या कथन	
1.11	अध्ययन के उद्देश्य	
1.12	अध्ययन की परिकल्पना	

1.13 परिचालक परिभाषाऐं

1.14 समस्या का सीमांकन

अध्याय–द्वितीय संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 15–19

2.1 प्रस्तावना

2.2 सबंधित साहित्य का पुनरावलोकन का महत्व

2.3 पूर्व शोध कार्य का आंकलन

2.3.1 भारत में किया गया अनुसंधान कार्य

2.3.2 एम.एड्. छात्रों द्वारा किया गया अनुसंधान कार्य

अध्याय–तृतीय शोध प्रविधि 20–25

3.1 प्रस्तावना

3.2 शोध प्रक्रिया

3.3 शोध अध्ययन मे प्रयुक्त चर

3.4 प्रतिदर्श चयन

3.5 शोध में प्रयुक्त उपकरण

3.6 प्रदत्तों का संकलन

3.7 प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ

अध्याय–चतुर्थ प्रदत्तों का विश्लेषण, एवं व्याख्या 26–40

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय–पंचम शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव 41–46

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या का कथन

5.3 शोध में प्रयुक्त चर

5.4 शोध के उद्देश्य

5.5 शोध की परिकल्पना

5.6 प्रतिदर्श

5.7 उपकरण

5.8 प्रयुक्त सांख्यिकीय

5.9 शोध निष्कर्ष

5.10 सुझाव

5.11 शैक्षिक सुझाव

5.12 भविष्य के लिए समस्याएँ

❖ संदर्भ ग्रंथ 47–48

❖ परिशिष्ट i-iii